**सदैव सम ओर प्रसन्न रहना ईश्वर की सर्वोपरि भक्ति है |   
श्री योग वेदांत सेवा समिति**

**सम्पर्क :**

दिनांक :   
**'मातृ-पितृ पूजन दिवस'**

**प्रेरणास्त्रोत : पूज्य संत श्री आशारामजी बापू**

आदरणीय प्राचार्य श्री,

विषय : **'मातृ-पितृ पूजन कार्यक्रम'** का आयोजन |

महोदय,  
सप्रेम सादर नमस्कार |  
**मातृदेवो भव | पितृदेवो भव | आचार्यदेवो भव |** माता-पिता एवं गुरु की सेवा करनेवाला स्वयं चिरआदरणीय बन जाता है | इस सिद्धांत को जिन्होंने भी अपनाया वे खुद भी आदरणीय ओर पूजनीय बन गये, फिर चाहे वे भगवान गणेशजी हों, भगवान श्रीरामचंद्रजी हों, भीष्म पितामह हों अथवा एक साधारण सा बालक श्रवणकुमार हो | मंदिर में तो पत्थर की मूर्ति में भगवान की भावना की जाती है जबकि जीते जागते माता-पिता एवं गुरुदेव में तो सचमुच भगवान बसे हैं | ऐसे देवस्वरूप माता-पिता व गुरुजनों का जहाँ आदर-पूजन होता हो वहाँ की धरती माता भी अपने आपको सौभाग्यशाली मानती है |

14 फरवरी को 'वेलेन्टाइन डे' मनाकर युवक-युवतियाँ तबाही के रास्ते न जाये बल्कि वे अपना जीवन उन्नत करें, वे तेजस्वी-ओजस्वी बनें और उनके हृदय में माता-पिता व गुरुओं के प्रति आदर, सम्मान बढ़ता रहे इसी उद्देश्य से क्षोत्रिय ब्रह्मनिष्ट पूज्य संत श्री आशारामजी बापू की पावन प्रेरणा से पिछले कई वर्षों से वैश्विक स्तर पर **'मातृ पितृ पूजन दिवस'** मनाया जा रहा है | इससे युवक- युवतियाँ संयमी और अपने माता पिता व शिक्षकों का आदर सत्कार करनेवाले बनते हैं |  
 जो विद्यार्थी माता-पिता का आदर करेंगे वे 'वेलेन्टाइन डे' मनाकर अपना चरित्र भ्रष्ट नहीं कर सकते | संयम से उनके ब्रह्मचर्य की रक्षा होने से उनकी बुद्धिशक्ति विकसित होगी, जिससे उनकी पढ़ाई के परिणाम अच्छे आयेंगे |   
 अतः आपसे नम्र निवेदन है कि आप भी अपने विद्यालय में इस पावन पर्व का आयोजन करवाएँ और हमें सेवा का सुअवसर प्रदान करें | आपके विद्यालय/महाविद्यालय में इस **'मातृ पितृ पूजन कार्यक्रम'** के आयोजन से विद्यार्थियों एवं उनके माता-पिता में स्नेहमय सामंजस्य स्थापित करने का दिव्य कार्य तो होगा ही साथ ही सभी अभिभावक आपके खूब-खूब आभारी हो जायेंगे |

हमें विश्वास है कि आप माता-पिता और विद्यार्थियों के इस अनोखे स्नेह-मिलन कार्यक्रम के आयोजन में अपना योगदान जरूर देंगे | आपका सहयोग विद्यार्थियों के चरित्र की रक्षा एवं देश की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा |   
आभार सहित,  
 भवदीय,

श्री योग वेदांत सेवा समिति